CBSE Class 09 - Hindi B

आदर्श प्रश्न पत्र - 10 (2020-21)

Maximum Marks: 80

Time Allowed: 3 hours

General Instructions:

- इस प्रश्नपत्र में चार खंड हैं।
- सभी खंडों के प्रश्नों के उत्तर देना अनिवार्य है।
- यथासंभव प्रत्येक खंड के प्रश्नों के उत्तर क्रम से लिखिए।

खंड - क (अपठित गद्यांश)

1. **निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए।**

मृत्यु अर्थात् यमराज के घर का मार्ग सचमुच बड़ा भयावना था। नचिकेता ने देखा कि अपने-अपने कर्मों के कारण लोग मृत्यु से किस तरह घबराते हैं। हृदय में छाई हुई पाप की रेखाओं से लोगों का मन इतना भयभीत है कि सारे मार्ग में हाहाकार मचा हुआ है। कोई अपने पुत्र के लिए रो रहा है तो किसी को पत्नी के वियोग का दुःख है। परन्तु नचिकेता को तो सचमुच अपूर्व आनन्द मिल रहा था। प्रसन्नता और उत्साह के साथ उसने मार्ग की सारी कठिनाइयों का अन्त कर दिया। पिता की आज्ञा के पालन करने में उसे जो शान्ति मिल रही थी, वह भूलोक के मायाग्रस्त जीवन में कहीं नहीं थी। निर्भीक नचिकेता जिस समय मृत्यु के द्वार पर पहुँचा, उस समय संयोग से यमराज कहीं बाहर गए हुए थे। अतः द्वारपालों ने उसे भीतर घुसने की अनुमति नहीं दी। विवश होकर उसे बाहर एक वृक्ष के नीचे सुन्दर चबूतरे पर बैठकर यम की प्रतीक्षा करनी पड़ी।

i. नचिकेता ने लोगों को अपने कर्मों के कारण किस दशा में देखा? (2)
ii. यमराज के निवास की ओर जाते हुए नचिकेता आनंद का अनुभव क्यों कर रहे थे? (2)
iii. लोगों का मन भयभीत क्यों है? (2)
iv. वृक्ष के नीचे नचिकेता को किसकी प्रतीक्षा करनी पड़ी और क्यों? (2)
v. गद्यांश में यमराज के घर का मार्ग कैसा बताया गया है? (1)
vi. भूलोक का समानार्थी शब्द बताइए। (1)

खंड - ख (व्याकरण)

2. पद कहते हैं -

a. जिसका वाक्य में प्रयुक्त होना आवश्यक नहीं है।

b. वाक्य के नियमों में बंधे होने के बावजूद भी जिसका प्रयोग कोश में किया जा सकता है।

c. व्याकरण के नियमों से बंधे वाक्य में प्रयुक्त शब्द को।

d. भाषा की स्वतंत्र इकाई को।

3. भाषा की बद्ध इकाई ______ कहलाती है।

a. शब्द समूह

b. शब्द

c. पद

d. वर्ण

4. निम्नलिखित में से कौन-से अनुस्वार वाले शब्दों वर्ण-विच्छेद सही है?

a. संभव = स+अ+म्+भ्+अ+व्+अ

b. मंदिर = म्+अ+न्+द्+इ+र्+अ

c. कंचन = क्+अ+ञ्+च्+अ+न+अ

d. गंगा = ग्+अ+ङ्+ग+आ

5. अनुनासिक का प्रयोग बिंदु रूप (अनुस्वार) के समान कब किया जाता है?

a. पंचमाक्षर से पहले

b. शिरोरेखा के ऊपर स्वर की मात्रा होने पर

c. पंचमाक्षर के बाद

d. शिरोरेखा के ऊपर स्वर की मात्रा न होने पर

6. निम्नलिखित में से किस शब्द में उपसर्ग प्रयोग किया गया है ?

a. चिंतन

b. अतिरिक्त

c. प्यास

d. भारतीयता

7. 'निर्जन' शब्द में कौन-सा उपसर्ग प्रयोग किया गया है?

a. जन

b. नि:

c. नि

d. निर्

8. निम्नलिखित में से किस शब्द में प्रत्यय प्रयोग किया गया है ?

a. निडर

b. आजन्म

c. बचपन

d. भरपेट

9. 'महत्व' शब्द में कौन-सा प्रत्यय प्रयोग किया गया है?

a. हत्व

b. त्व

c. वह

d. व

10. निम्नलिखित शब्द -युग्मों में से उपयुक्त श्रुतिसम भिन्नार्थक शब्द- युग्म चुनें -

a. सहज-जलज

b. असहज-सहज

c. जलज -जल्द

d. सहज-जलद

11. निम्नलिखित में से 'दिन' शब्द का श्रुतिसम भिन्नार्थक शब्द चुनें -

a. दैन्य

b. दिवस

c. दीन

d. दैनिक

12. 'लता' शब्द का पर्यायवाची बताइए ।

a. नीर

b. तनय

c. वल्ली

d. तरंग

13. 'इंद्र' शब्द का पर्यायवाची बताइए।

a. सुरपति

b. गरीब

c. दृग

d. उर्मि

14. 'योग' शब्द का विलोम बताइए।

a. वियोग

b. देव

c. आयोग

d. व्यायाम

15. 'शुल्क' शब्द का विलोम बताइए।

a. निःशुल्क

b. गति

c. धन

d. ऋण

16. **भगवान तुम्हें सुखी रखें।** किस वाक्य का उदाहरण है?

a. आज्ञावाचक वाक्य

b. संकेतवाचक वाक्य

c. इच्छाबोधक वाक्य

d. प्रश्नवाचक वाक्य

17. संदेह का बोध कराने वाले वाक्य को क्या कहते हैं?

a. संयुक्त वाक्य

b. संदेहसूचक वाक्य

c. विस्मयादिबोधक वाक्य

d. संकेतवाचक वाक्य

खंड - ग (पाठ्य पुस्तक)

18. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिये: (6 अंक)

a. दुःख का अधिकार पाठ में लड़के की मृत्यु के दूसरे ही दिन खरबूजे बेचने क्यों चल पड़ी?

b. उफ, तुम कब जाओगे, अतिथि? इस प्रश्न के द्वारा लेखक ने पाठकों को क्या सोचने पर विवश किया है?

c. धर्म के स्पष्ट चिह्न क्या हैं?

19. शोक करने, गम मनाने के लिए भी सहूलियत चाहिए और....दुःखी होने का भी एक अधिकार होता है। लेखक ने ऐसा क्यों

कहा? पाठ दुःख का अधिकार के आधार पर स्पष्ट कीजिए।

OR

आशय स्पष्ट कीजिए- सीधे धरातल पर दरार पड़ने का विचार और इस दरार का गहरे-चौड़े हिम-विदर में बदल जाने का मात्र खयाल ही बहुत डरावना था। इससे भी ज्यादा भयानक इस बात की जानकारी थी कि हमारे संपूर्ण प्रयास के दौरान हिमपात लगभग एक दर्जन आरोहियों और कुलियों को प्रतिदिन छूता रहेगा।

20. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिये: (6 अंक)

   a. कवि रैदास ने किन-किन संतों का उल्लेख अपने काव्य में किया है और क्यों?

   b. 'रहिमन निज मन की बिथा, मन ही राखो गोय' कवि रहीम ने क्यों कहा है?

   c. आपके विचार से मंदिर की पवित्रता और देवी की गरिमा को कौन ठेस पहुँचा रहा था और कैसे? एक फूल की चाह कविता के आधार पर बताइए।

21. प्रेम का धागा टूटने पर पहले की भाँति क्यों नहीं हो पाता? रहीम के पद के आधार पर लिखिए।

OR

पिता को सुखिया की अंतिम इच्छा पूरी करने में क्या-क्या कठिनाइयाँ आईं? एक फूल की चाह कविता के आधार पर लिखिए।

22. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्ही दो के उत्तर दीजिये: (6 अंक)

   a. सोनजुही की लता के नीचे बनी गिल्लू की समाधि से लेखिका के मन में किस विश्वास का जन्म होता है?

   b. हामिद को लेखक की किस बात पर यकीन नहीं हो पा रहा था और क्यों?

   c. गांधी को समझने वाले वरिष्ठ अधिकारी इस बात से सहमत नहीं थे कि गांधी कोई काम अचानक और चुपके से करेंगे। फिर भी उन्होंने किस डर से और क्या एहतियाती कदम उठाए?

खंड - घ (लेखन)

23. **बाल दिवस** विषय पर लगभग 80 से 100 शब्दो में अनुच्छेद लिखिए।

OR

समय अमूल्य धन है विषय पर लगभग 80 से 100 शब्दो में अनुच्छेद लिखिए।

24. अपने छोटे भाई को कुसंगति की हानियाँ बताते हुए एक पत्र लिखिए।

OR

अपने पिताजी की आज्ञा बिना अपने कुछ मित्रों के साथ विद्यालय से अनुपस्थित होकर आईपीएल मैच देखा जिसकी सूचना आपके पिताजी को किसी अन्य व्यक्ति से मिली है। अब आप अपने पिताजी से माँफी माँगते हुए एक क्षमा याचना का पत्र लिखिए।

25. आप अपने क्षेत्रवासियों की ओर से नवनिर्वाचित विधायक को बधाई संदेश दीजिए।

OR

आप अपने नर्वनिर्वाचित सांसद को बधाई देते हुए संदेश लिखिए।

26. विकास के मॉडल-हाईवे, मॉल, मल्टीप्लेक्स विषय पर शिक्षक और छात्र के बीच परस्पर संवाद को 50 शब्दों में लिखिए।

OR

बढ़ते जल प्रदूषण से परेशान दो नदियों के बीच होने वाले संवाद को 50 शब्दों में लिखिए।

27. कोरोना से बचाव विषय पर 20-30 से शब्दों में एक नारा लिखिए।

OR

कोरोना योद्धाओं के विषय पर 20-30 से शब्दों में एक नारा लिखिए।

9 Hindi B SP-10
Class 09 - Hindi B

Solution

खंड - क (अपठित गद्यांश)

1. i. नचिकेता ने लोगों को अपने कर्मों के कारण मृत्यु से घबराते हुए देखा।
   ii. नचिकेता अपने पिता की आज्ञा का पालन कर रहे थे। इसलिए यमराज के निवास की ओर जाते हुए वे आनंद का अनुभव कर रहे थे।
   iii. हृदय में छाई हुई पाप की रेखाओं के कारण लोगों का मन भयभीत है।
   iv. वृक्ष के नीचे नचिकेता को यमराज की प्रतीक्षा करनी पड़ी क्योंकि वे बाहर गए हुए थे।
   v. गद्यांश में यमराज के घर का मार्ग बहुत ही भयावना बताया गया है।
   vi. पृथ्वी लोक

खंड - ख (व्याकरण)

2. (c) व्याकरण के नियमों से बंधे वाक्य में प्रयुक्त शब्द को।
   Explanation: व्याकरण के नियमों से बंधे वाक्य में प्रयुक्त शब्द को पद कहते हैं। जैसे - रमेश पुस्तक पढ़ रहा है।
3. (c) पद
   Explanation: भाषा के नियमों में बँधा होने के कारण ही शब्द पद कहलाता है तथा यह लिंग, वचन, काल आदि से प्रभावित होता है।
4. (b) मंदिर = म्+अ+न्+द्+इ+र्+अ
   Explanation: मंदिर = म्+अ+न्+द्+इ+र्+अ
5. (b) शिरोरेखा के ऊपर स्वर की मात्रा होने पर
   Explanation: शिरोरेखा के ऊपर स्वर की मात्रा होने पर।(गोंद =ग् + ओ+द्+अ)
6. (b) अतिरिक्त
   Explanation: अतिरिक्त (अति+रिक्त= अधिक)
7. (d) निर्
   Explanation: निर् (निर्+जन)
8. (c) बचपन
   Explanation: बचपन (बच्चा+पन)
9. (b) त्व
   Explanation: त्व (महत+ त्व)
10. (c) जलज -जल्द
    Explanation: दोनों शब्द उच्चारण व सुनने में एक से लग रहे ,परंतु अर्थ भिन्न-भिन्न हैं।

11. (c) दीन

    Explanation: दिन-दीन सुनने में एक से व अर्थों में भिन्न हैं ।

12. (c) वल्ली

    Explanation: लता - वल्ली

13. (a) सुरपति

    Explanation: इंद्र- सुरपति

14. (a) वियोग

    Explanation: योग-वियोग

15. (a) निःशुल्क

    Explanation: शुल्क - निःशुल्क

16. (c) इच्छाबोधक वाक्य

    Explanation: इच्छा या शुभकामना का बोध कराने वाले वाक्य इच्छाबोधक वाक्य कहलाते हैं। उपरोक्त उदाहरण में भी सुखी रखने की इच्छा / कामना व्यक्त की गई है, अतः ये इच्छाबोधक वाक्य का उदाहरण है।

17. (b) संदेहसूचक वाक्य

    Explanation: जो वाक्य संदेह का बोध कराए, उसे संदेहसूचक वाक्य कहते हैं। उदाहरण:- यह काम उसी का हो सकता है।

खंड - ग (पाठ्य पुस्तक)

18. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिये: (6 अंक)

    a. सामाजिक और आर्थिक रूप से मनुष्य चाहे कितना ही निर्धन क्यों न हो परिवार में किसी की मृत्यु उसे शोक से भर देती है। प्रियजनों की मौत पर रोना, हर व्यक्ति चाहता है। बुढ़िया के घर पुत्र की मृत्यु होने पर सब कुछ दान-दक्षिणा में चला गया। बीमार बहू और भूख-से तड़पते बच्चों को वह देख न सकी और खरबूज़े बेचने चल दी। यद्यपि अभी उसके जवान बेटे को मरे दूसरा दिन ही था।

    b. इस प्रश्न द्वारा लेखक ने पाठकों को यह सोचने पर मजबूर किया है कि अच्छा अतिथि कौन होता है? वह, जो पहले से अपने आने की सूचना देकर आए और एक-दो दिन मेहमानी कराके विदा हो जाए न कि वह, जिसके आगमन के बाद मेज़बान वह सब सोचने को विवश हो जाए, जो इस पाठ का मेज़बान निरन्तर सोचता रहा। उफ! शब्द द्वारा मेज़बान की उकताहट को दिखाया गया है।

    c. लेखक के अनुसार हर व्यक्ति को अपना धर्म, अपनी उपासना की पूरी स्वतन्त्रता हो, जो जैसा चाहे वैसे ही अपनी धर्म की भावना को मन में जगाए। धर्म और ईमान का सौदा न हो। अजाँ देने, शंख बजाने, नमाज़ अदा करने का नाम धर्म नहीं है। शुद्धाचरण और सदाचार ही धर्म के स्पष्ट चिह्न हैं।

19. i. बुढ़िया के दुःख को देखकर लेखक का मन करुणा से भर गया।

ii. पड़ोस की संभ्रांत महिला की याद आ गयी।

iii. दोनों का दुःख समान है।

iv. संभ्रांत महिला, धनी थी। अतः उसकोदुःख मनाने का अवसर मिला।

v. गरीब बुढ़िया को धन के अभाव में दुःख मनाने का अवसर न मिला बल्कि जवान पुत्र की मौत के दूसरे दिन ही खरबूजे बेचने आना पड़ा। क्योंकि छोटे बच्चे भूख से बिलख रहे थे।

OR

हिमपात और ग्लेशियर के बहने से बड़ी-बड़ी बर्फ की चट्टानों के गिरने की बात सुनने के बाद लेखिका बछेंद्री पाल को यह सुनना और भी भयभीत करने वाला लग रहा था कि इन बड़ी-बड़ी बर्फ की चट्टानों के गिरने से कई बार धरातल पर दरारें पड़ जाती हैं। यह दरारें बहुत गहरी और चौड़ी बर्फ से ढकी हुई गुफाओं में बदल जाती हैं, जिनमें धंसकर मनुष्य की यदि मृत्यु भी हो जाए तो कोई असामान्य बात नहीं। इसके अतिरिक्त उसे यह जानकारी और भी अधिक भयानक लगी कि इनके सारे अभियान में यह हिमपात लगभग एक दर्जन पर्वतारोहियों और कुलियों को रोज प्रभावित करता रहेगा उन्हें इसका सामना करना पड़ेगा।

20. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिये: (6 अंक)

a. कवि रैदास ने नामदेव, कबीर, त्रिलोचन, सधना और सैन का उल्लेख अपने काव्य में किया है। इसके उल्लेख के माध्यम से कवि यह बताना चाहता है कि उसके प्रभु गरीबों के उद्धारक हैं। उन्होंने गरीबों और कमज़ोर लोगों पर कृपा करके समाज में ऊँचा स्थान दिलाया है।

b. रहीम के अनुसार मनुष्य को अपने मन की व्यथा अपने मन में ही छिपाकर रखनी चाहिए। उसे किसी के सामने प्रकट नहीं करना चाहिए।

c. मेरे विचार से तथाकथित उच्च जाति के भक्तगण मंदिर की पवित्रता और देवी की गरिमा को ठेस पहुँचा रहे थे, सुखिया का पिता नहीं, क्योंकि वे जातीय आधार पर सुखिया के पिता को अपमानित करते हुए देवी के सामने ही मार-पीट रहे थे। वे जिस देवी की गरिमा नष्ट होने की बात कर रहे थे, वह तो स्वयं पतित पाविनी हैं तो एक पतित के आने से न तो देवी की गरिमा नष्ट हो रही थी और न मंदिर की पवित्रता। ऐसा सोचना उन तथाकथित उच्च जाति के भक्तों की संकीर्ण सोच और अमानवीयता थी।

21. प्रेम का धागा विश्वास से बँधा होता है। जब धागा टूट जाता है तो मन में गाँठ पड़ जाती है और पहले की तरह प्रेमपूर्ण सम्बन्ध नहीं बन पाते। अर्थात् विश्वास खत्म हो जाने पर मन को नहीं जोड़ा जा सकता। अतः सम्बन्धों की डोर से आपसी विश्वास को मज़बूत बनाए रखना चाहिए। सम्बन्धों को जोड़ने में, बनाने में बहुत समय लगता है परन्तु तोड़ना बहुत आसान होता है। अतः हमें सम्बन्धों को बड़ी ही नज़ाकत के साथ निभाना चाहिए।

OR

पिता को सुखिया की अंतिम इच्छा पूरी करने में निम्नलिखित कठिनाइयाँ आई :-

i. सुखिया के पिता को मंदिर के प्रसाद का एक फूल लाना था, अतः वह निराशा में डूब गया, क्योंकि वह सामाजिक स्थिति को जानता था।
ii. मंदिर में जैसे ही उसने पुजारी से प्रसाद लिया तभी कुछ लोगों ने उसे पहचान लिया और उन्होंने उसे खूब मारा-पीटा। मंदिर में पुजारी से मिला प्रसाद नीचे बिखर गया।
iii. न्यायालय से दण्ड दिया गया।
iv. वह पुत्री को प्रसाद का फूल न दे सका और उसके घर पहुँचने से पहले ही वह स्वर्ग सिधार गई।

22. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्ही दो के उत्तर दीजिये: (6 अंक)

a. सोनजुही की लता के नीचे बनी गिल्लू की समाधि बनाई गयी, क्योंकि यह लता गिल्लू को बहुत पसंद थी। लेखिका के मन में इसका विश्वास था कि एक दिन गिल्लू जूही के छोटे से पत्ते के रूप में अवश्य खिलेगा और वह फिर से उसे अपने आस-पास अनुभव कर पाएगी। यह विश्वास उन्हें संतोष देता था।

b. हामिद ने पूछा कि एक हिन्दू मुसलमानी होटल में क्या खाना खाएँगे। इस पर लेखक ने कहा कि हमारे यहाँ अगर बढ़िया चाय पीनी हो या बढ़िया पुलाव खाना हो तो लोग बेखटके मुसलमानी होटल में जाया करते हैं। इस बात पर हामिद को यकीन नहीं हो पा रहा था।

c. गांधी जी सत्यवादी, अहिंसाप्रिय, सदाचारी, देशभक्त, धार्मिक, विद्वान, कर्तव्यनिष्ठ, दृढ़ निश्चयी व्यक्ति थे। उनकी इन्हीं व्यक्तित्व विशेषताओं से वरिष्ठ अधिकारी भी परिचित थे। ब्रिटिश अधिकारी इस बात से आश्वस्त थे कि गांधी को जो भी करना होगा वह तय कार्यक्रम के अनुसार ही करेंगे।
ब्रिटिश शासकों में एक वर्ग ऐसा था जिसे लग रहा था गांधी जी और उनके सत्याग्रही मही नदी के किनारे अचानक पहुँचकर कानून तोड़ देंगे। इसलिए उन्होंने एतियाहत के तौर पर नदी के तट पर बने हुए सारे नमक के भण्डारों को नष्ट कर दिया।

खंड - घ (लेखन)

23. बाल-दिवस प्रतिवर्ष 14 नवम्बर को मनाया जाता है। स्व. पंडित जवाहरलाल नेहरू को बच्चों से बहुत प्यार था। प्रतिवर्ष इस दिन विद्यालयों में विशेष समारोह होते हैं। किसी-किसी विद्यालय में छात्र छात्राओं को मिठाई बाँटी जाती हैं। इस दिन बाल-कल्याणकारी कार्यक्रमों की घोषणा होती है या उन्हें शुरू किया जाता है।
सरकार तथा अनेक संस्थानों की ओर से भी स्कूली बच्चों के मनोरंजन एवं ज्ञानवर्धन के लिए अनेक कार्यक्रम होते हैं। सफदरजंग हवाई अड्डे पर बच्चों को नि:शुल्क हवाई सैर कराई जाती है। राष्ट्रीय संग्रहालय, चिड़ियाघर, कुतुबमीनार में बच्चों के लिए निःशुल्क प्रवेश की अनुमति होती है। इसके अतिरिक्त नेहरू संग्रहालय में अनेक आयोजन होते हैं। आकाशवाणी तथा दूरदर्शन भी बच्चों के लिए विशेष कार्यक्रमों का प्रसारण करते हैं। समाचार-पत्रों, पत्रिकाओं में बच्चों की रुचि तथा लाभ के लिए उपयोगी सामग्री का प्रकाशन होता है। बाल दिवस के त्योहार का सबसे बड़ा महत्व बच्चों में

आत्म-सम्मान, आत्म-गौरव, स्वयं को पहचानने, जीवन में कुछ कर दिखाने की चाह जैसे विचार उत्पन्न करने में हैं। इससे वे उन्नति के पथ पर अग्रसर होते हैं।

OR

समय ऐसा चक्र है जो अनवरत चलता रहता है। जीवन भी निरन्तर आगे बढ़ने का नाम है। लक्ष्य की प्राप्ति समय से कदम मिलाकर ही संभव है। समय के बारे में कहा जाता है कि "जो समय को नष्ट करता है, समय उसे नष्ट कर देता है।"
जो समय व्यतीत हो गया वह लाख कोशिश करने पर भी वापस नहीं आता। समय अनमोल है, उचित समय पर उचित कार्य कर लेना चाहिए। जो आज का काम कल पर टालते हैं वह जीवन भर पछताते हैं। जो समय का सदुपयोग नहीं करते समय उनको नष्ट कर देता है। समय का सदुपयोग किया जाए तो समय मानव के लिए वरदान है। वह मनुष्य के लिए सफलता और खुशियों के द्वार खोल देता है। समय का दुरुपयोग मनुष्य को अवनति के गर्त में फेंक देता है, जहाँ से निकलना लगभग असंभव होता है।
समय वह चक्र है जो कभी नहीं रुकता। जिसे उससे लाभ उठाना है, उसे समय की पूर्व में ही तैयारी कर लेनी चाहिए। जो समय का सम्मान करते हैं समय उनको सम्मान देता है।
जो राष्ट्र समय का सम्मान करना जानता है वह शक्तिशाली बन जाता है। जो विद्यार्थी समय से पढ़ाई पूरी कर लेता है वही परीक्षा में प्रथम आता है। जीवन में लक्ष्य की प्राप्ति समय पर किए गए कार्य के द्वारा ही प्राप्त की जा सकती है। सृष्टि का चक्र समयानुसार ही चलता है। आदि काल में महापुरुषों ने समय की महत्ता को समझकर उसकी उपयोगिता के उपदेश दिए हैं।

24. प्रिय रोहित,
सदा प्रसन्न रहो।
यहाँ सभी कुशलपूर्वक हैं। आशा है तुम स्वस्थ और प्रसन्न होंगे। कल ही तुम्हारे छात्रावास के अधीक्षक का एक पत्र पिताजी को प्राप्त हुआ, जिसे पढ़कर उन्हें बहुत चिन्ता हुई। पत्र में उन्होंने लिखा है कि आपका बेटा आजकल कुसंगति में पड़ गया है। यदि उसे नहीं रोका गया तो छात्रावास से निष्कासित कर दिया जाएगा।
भाई, ध्यान रखो कि कुसंगति से मनुष्य पतन की ओर चला जाता है और अपने लक्ष्य को प्राप्त करने में असफल हो जाता है। विद्यार्थी जीवन तो भविष्य की तैयारी हेतु होता है। मेरी सलाह है कि तुम ऐसे लड़कों की संगति का त्याग शीघ्र कर दो और अपनी पढ़ाई की ओर ध्यान दो। मुझे विश्वास है कि तुम सही मार्ग पर अग्रसर होगे तथा परिवारीजनों को निराश नहीं करोगे। अपनी कुशलता का समाचार देना।
तुम्हारा बड़ा भाई,
बसंत कुमार
B-140, श्याम नगर
गुरुग्राम, हरियाणा।

OR

बसंत छात्रावास

राजकीय उच्चतम माध्यमिक विद्यालय
प्रीत विहार
नई दिल्ली।

परम पूज्य पिताजी,
सादर प्रणाम।
आशा है घर में सभी सकुशल होंगे।
आपके पत्र से पता चला कि आपकी अनुमति के बिना अपने कुछ मित्रों के साथ विद्यालय से अनुपस्थित होकर मेरे आईपीएल मैच देखने से आप नाराज़ हैं।
मैं अपनी गलती स्वीकार करता हूँ। लड़कों के कहने में आकर मैं उनके साथ मैच देखने चला गया था। मैंने पढ़ाई को भी गम्भीरता से नहीं लिया। मैं समझ गया कि जब यह सूचना आपको अन्य व्यक्ति से मिली होगी तो आपको कैसा लगा होगा? पिताजी, अब आप कभी मेरी शिकायत नहीं सुनेंगे। मैं नियमित विद्यालय में उपस्थित रहूँगा तथा छात्रावास में रहकर अध्ययन में रुचि लूँगा। ऐसे गलत लड़कों की संगति भी छोड़ दूँगा। मैं पुन: आपको विश्वास दिलाता हूँ कि मैं अब सही मार्ग पर चलूँगा। पिछली गलतियों के लिए मैं आपसे क्षमा माँगता हूँ। घर में माताजी को प्रणाम। छोटों तथा बड़ों को यथोचित अभिवादन।

आपका आज्ञाकारी पुत्र
गोविन्द सिंह

25.

संदेश

13 अक्तूबर 20xx
प्रातः 11:40 बजे
हम सब पालम विधानसभावासी नवनिर्वाचित विधायक श्री गिरीश जी को तहे दिल से बधाई देते हैं।
हम आशा करते हैं कि आप हमारे विश्वास को बनाए रखेंगे। लोकतांत्रिक व्यवस्था को सुदृढ़ बनाए रखने में आप सब का अमूल्य योगदान है अतः सभी मर्यादाओं को ध्यान में रखकर क्षेत्र के हित में आवश्यक कदम उठाएँगे। आप क्षेत्र में रुके पड़े विकास के कार्य को फिर से पटरी पर लाएंगे ऐसा हम सबका विश्वास है।
निवेदक
समस्त क्षेत्रवासी

OR

संदेश

13 अक्तूबर, 2020
प्रातः 11:52 बजे

हमारे नवनिर्वाचित सांसद श्री गिरीश सिंह जी को हार्दिक बधाई। ऊपरी सदन में आपकी उपस्थिति से हमारे क्षेत्र एवं देश के कल्याणकारी मुद्दों को बल मिलेगा। विकास और जनकल्याण का मार्ग सुगम होगा। आपके राजनीतिक अनुभव और ज्ञान का लाभ हमारे क्षेत्र को प्राप्त होगा। आप क्षेत्र में रुके पड़े विकास के कार्य को फिर से पटरी पर लाएंगे। गुंडागर्दी और भ्रष्टाचार खत्म होगा। किसानों, मजदूरों व युवाओं को उनका हक मिलेगा। आपकी जीत से हमारे क्षेत्र की नव निर्माण की राह खुलेगी।

समस्त क्षेत्रवासी

26. शिक्षक- गोविन्द! आज का अख़बार पढ़ा तुमने।

गोविन्द- जी श्रीमान! किन्तु उसमें ऐसी क्या खबर थी?

शिक्षक- यानी तुमने ठीक से नहीं पढ़ा। उसमें आज हमारे शहर के विकास मॉडल को मंजूरी मिल गई है।

गोविन्द- जी श्रीमान ! मैंने पढ़ा! ये तो बहुत प्रसन्नता का विषय है अब हमारा शहर भी विकास के पथ पर अग्रसर होता हुआ दिखाई देगा। यहाँ भी चारों ओर हाइवे, मॉल और मल्टीप्लेक्स होंगे।

शिक्षक- ठीक कहा गोविन्द, बताओगे इससे हमारे शहर को क्या-क्या लाभ होंगे?

गोविन्द- शहर की सड़कों पर वाहनों का भार कम होगा, हमारी आर्थिक स्थिति सुदृढ़ होगी, साथ ही शहरवासियों को मनोरंजन के साधन व अपनी आवश्यकताओं की सभी वस्तुएँ एक ही छत के नीचे आसानी से उपलब्ध होंगी।

शिक्षक- बिल्कुल ठीक गोविन्द, शाबाश।

OR

पहली नदी - क्या बात है बहन? आज बहुत दुःखी दिखाई दे रही हो।

दूसरी नदी - क्या बताऊँ? आजकल मेरा पानी पहले से भी अधिक प्रदूषित होता जा रहा है।

पहली नदी - सच कहा तुमने। लोग अपना कचरा नदियों में बहा देते हैं। अपने जानवरों को भी हमारे पानी में नहला कर पानी प्रदूषित कर रहे हैं।

दूसरी नदी - इतना ही नहीं कारखानों से निकलने वाले रासायनिक पदार्थ व नालों, सीवर आदि का पानी भी सीधे हमारे पानी में मिलाया जा रहा है।

पहली नदी - हम ही नहीं हमारे जल में रहने वाले जीव जन्तु, मछलियाँ आदि भी इस प्रदूषण से परेशान हैं।

दूसरी नदी - मनुष्य इतना स्वार्थी हो गया है कि अपने स्वार्थों की पूर्ति के लिए प्रकृति से खिलवाड़ कर रहा है।

पहली नदी - जल ही जीवन है जब तक मनुष्य इस बात को नहीं समझेगा, इसे जल प्रदूषण से मुक्ति सम्भव नहीं है।

27. जितना हो सके घर पर रहना या फिर करना है ये टास्क।
दूरी रखना, हाथ को धोना और लगाए रहना है ये मास्क।

OR

कोरोना योद्धाओं के हौसलों को, आओ मिलकर और बढ़ाते हैं।
सहयोग, समर्पण, दृढ़ विश्वास से, कोरोना को हराते हैं।।